

ARBIT**Tigers Vanishing! Why?****जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू**

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

अडानी पर लगे आरोपों के बाद भारतीय बैंक नुकसान के आकलन में जुटे

अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा, 338 अरब रु. का कर्ज एस.बी.आई. ने दिया है, और उसे ही सबसे ज्यादा डर है

-जाल खंडवाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 नवम्बर भारतीय बैंक जिनमें स्टेट बैंक और आई.सी.आई. और आई.सी.आई.सी.आई. बैंक शामिल हैं। अडानी पर अमेरिका में रिश्ते के आरोप लगने के बाद अडानी से हुए नुकसान का आकलन कर रहे, हालांकि उन्होंने कहा है कि इससे बैंक की विवादों में काहे बदला नहीं होगा।

इन बैंकोंसे कहा कि उन्हें यह देखना है कि क्या अडानी ग्रुप को नया लोन देते समय जांच प्रक्रिया को आरोप सकता क्या।

- यह भी कहा जा रहा है कि एस.बी.आई. अडानी ग्रुप के उन प्रोजेक्ट्स को कर्ज देना जारी रखेगा जो अभी चल रहे हैं या पूरे होने वाले हैं।
- सूत्रों ने कहा, लेकिन, पर अब एस.बी.आई. सख्ती से इस बात पर ध्यान देगा कि अडानी ग्रुप कर्ज सम्बंधी सभी नियमों का पालन करे।
- सूत्रों ने बताया कि कोई भी बैंक इस बारे में बात करने को तैयार नहीं है, क्योंकि उन्हें मीडिया से वार्ता करने से रोका गया है। रिजर्व बैंक भी मौन है।
- लेकिन आठ बैंकों की तरफ से “ऑफ द रिकॉर्ड” कहा गया है कि नए लोन देते समय कड़ी जांच करें।

रिजर्व बैंक ने जबाब नहीं दिया।

एक ब्रोकर कम्पनी आई.आई.एफ.एल. सिक्युरिटीज के अनुसार, भारतीय बैंकों में एस.बी.आई. ने ही अडानी ग्रुप को सबसे ज्यादा 338 अरब रु. (4 अरब डॉलर) का कर्ज दिया है।

सूत्रों ने कहा कि एस.बी.आई. अडानी के उन प्रोजेक्ट्स को कर्ज देने से पीछे होनी होता है, जो चल रहे हैं या पूरे होने वाले हैं। पर उसने अगे कहा कि पर अब लोन देने से पहले बैंक सतर्कता बताता और सुनिश्चित करेगा कि नियमों व शर्तों का पालन किया जाए।

सभी बैंकोंने अपना नाम नहीं बताया क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं है। एस.बी.आई. और अडानी ग्रुप ने इससे सम्बंधित ई मेल का जबाब नहीं दिया।

कर्ज दिया है, वे भी ऐसी ही कवायद कर रहे हैं। एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

बैंकोंने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में जानते हैं, ने बैंकोंने अडानी ग्रुप को अपेक्षकरूप से बदला रखा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को

इस बारे में ई मेल भेजा गया पर

के नजरिए के अनुसार कहा था।

की जस्तर नहीं है क्योंकि किसी भी बैंक ने ग्रुप को बहुत ज्यादा कर्ज नहीं दिया है।

एक नियमिक स्रोत, जो इस घटनाक्रम के बारे में

#RESEARCH

Air Pollution Boosts Alzheimer's Disease Risk

"Residential air pollution can negatively affect our brain, even decades before we actually develop Alzheimer's disease. This points to a sensitive time period for both exposure and opportunity, because that is the time when prevention strategies and interventions are most effective."



A new study has found that adults exposed to high levels of air pollution were at an increased risk of Alzheimer's disease. In a study of 1,133 participants between the ages of 45-75 from the Emory Healthy Brain Study, all of whom were from the Atlanta metropolitan area, the researchers found cognitive biomarkers of Alzheimer's disease, specifically amyloid plaques, in the cerebrospinal fluid of participants, who were exposed to ambient and traffic-related air pollution at their homes. This study, which appears in *Environmental Health Perspectives*, was the largest of its kind and adds to the growing body of evidence that suggests air pollution directly contributes to degeneration in the brain.

Pollution and Your Brain

Together, our recent studies represent both ends of the spectrum. In our previous study, we showed associations between residential exposure to air pollution and Alzheimer's-related changes in the brain in an animal model, and now we found similar results in a study of living adults, who were, on average, 15 years younger and cognitively healthy," says Anne Huel, the study's lead author and an assistant professor in the Epidemiology department at Emory University's Rollins School of Public Health.

"This is important because it shows that residential air pollution can negatively affect our brain, even decades before we actually develop Alzheimer's disease. This points to a sensitive time

How to reduce Air Pollution Exposure

- Practice eating a healthy diet.
- Engage in regular physical activity.
- Prevent/manage high blood pressure and blood sugar.
- Quit smoking and avoid excessive alcohol consumption.
- Get plenty of sleep.



Vanishing Tigers | Why?

Unfortunately, for last two decades, there is competition amongst the wildlife managers to grow tiger, leopard-like ferocious animals, irrespective of the limitations of the reserve. This all is being done under pressure of the tiger/lion/leopard tourism lobbies. Most of the governments have turned Nelson's eye towards this gross mis-management. It is no management, rather ill-management and needs be corrected back at top priority. The surplus animals must be shifted to the deficit areas.



Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex-field Director, Project Tiger, Sariska & Keoladeo National Park, Bharatpur

Monsoon is welcome in most of India but in Rajasthan, a drought-prone state, it has special importance. From this point of view, year 2024 has been very special to Rajasthanis, especially to denizens of Udaipur, the city of lakes and a known tourist destination at world level for its scenic beauty.

When *Udaipureans* were busy celebrating the great monsoon, they came sad news of attacking and killing a woman in Phade township, falling under the tribal belt, by a leopard. The forest department had hardly geared up to assess the situation to take preventive measures to stop such incidences that another such mauling and killing got reported from Gogunda tehsil area, also by a leopard. Certainly, it was a different leopard because both the places are situated at quite a distance from each other. The forest officials rushed to this new location and before they could make arrangements to capture the killer animal, another killing, in almost the same fashion, took place in same area, at a bit distance from this 2nd case.

The forest officials qualified to take up these responsibilities and have shown their excellence in several spheres, especially in creation of wildlife reserves, especially those taken under umbrella of National Project for tigers/leopards, buffer zones have been created. But unfortunately, these are being encroached in other's domain, which pave ways for such conflicts, result in injuries and killings on both sides. Several wild animals fall victim to poachers as well as being killed out in core areas. Consequently, over time, these animal-free areas too get some wild creatures, including large carnivores. And this no man's land loses relevance.

The officers are qualified enough to take up these responsibilities and have shown their excellence in several spheres, especially in creation of wildlife reserves, especially those taken under umbrella of National Project for tigers/leopards, buffer zones have been created. But unfortunately, these are being encroached in other's domain, which pave ways for such conflicts, result in injuries and killings on both sides. Several wild animals fall victim to poachers as well as being killed out in core areas. Consequently, over time, these animal-free areas too get some wild creatures, including large carnivores. And this no man's land loses relevance.

The entire Gogunda region, but for the township of Gogunda, is inhabited by tribals. There was a hue and cry in the region. The forest officers were under attack by both the tribals and Gonds, who planted at different locations with bats to attract the killer but all went in vain. The killer cleverly continued attacking and killing, until date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to Ranthambore.

People, much agitated by these killings, not only blocked traffic on the main road connecting the village to Sawai Madhopur but also attacked the tiger and killed it.

These brutal incidences evoked sensitive media and wildlife conservationists to hold debates on this issue of ever rising conflict between people and wild creatures especially carnivores.

It is also mentionable that in January this year, a tiger, coded as STR 2303, had ventured outside the Sariska Tiger Reserve into neighbouring Haryana state's villages falling under its Rewari district. Its rescue operation by the Sariska management did not succeed. On the contrary, a dedicated staffer, Hira Balai, was seriously injured during attack by this tiger. Hira was so grievously hurt that till date (9 months post the attack), he has not recovered enough to join duty. This tiger, after some

time, returned back to Sariska on its own but again this August, it crossed back into Haryana and was roaming there till it could be tranquilized and shifted to

संक्षिप्त

परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30

कोटपूरतली। राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में अध्ययनरत वी.ए. बी.एस.सी. बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में नियमित विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म 14 नवंबर से भरे जा रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 30 नवंबर है। प्राचारण डॉ. आशा ने सिंह ने बताया कि महाविद्यालय की स्नातक कक्षाओं के प्रथम वर्ष की प्रथम सेमेस्टर में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों के राजस्थान विश्वविद्यालय के परीक्षा फार्म 14 नवंबर से भरे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के अंतर्गत स्नातक पार्ट प्रथम के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर का प्राइवेट अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरे जा रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 30 नवंबर है। परीक्षा फॉर्म भरने से पहले सभी विद्यार्थियों को एवीसी आईडी बनवाना जरूरी है, लेकिन एवीसी आईडी के अधिकारी भी परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। परीक्षा फॉर्म की हार्ड कॉपी, 10 बी. 12 वी. की अकातालिका, राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अंतरिक्ष अय बोर्ड से यदि 12 वी. परीक्षा पास की है तो भूल माझेशन सर्टिफिकेट और उसकी फोटो कॉपी, आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ लेकर महाविद्यालय में परीक्षा फॉर्म जमा करायें। यदि परीक्षा फॉर्म की हार्ड कॉपी महाविद्यालय में उपस्थित होकर जमा रखा गई है तो फॉर्म व्हिकार करने की होगी, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थी की होगी।

इन्वेस्टर मीट का आयोजन आज

टोका मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान को एक विकासित राज्य बनाने के संकल्प से कार्य करने की दिशा में जयपुर में 9 से 11 दिसंबर के दिन जारी जारी रखा गया। इन्वेस्टर मीट का आयोजन आज जिम्मेदारी स्वयं विद्यार्थी की होगी।

